अवकाश कार्य
कक्षा - दसवीं, विषय - हिन्दी

प्रश्न 1 - अधोलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए —

एक गरीब राष्ट्र की प्रगति में सबसे बड़ी बाधाओं में अशिक्षा, राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार, भौगोलिक बनावट- सभी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अकेले धार्मिक अंधविश्वास के सिर इसका ठीकरा नहीं फोड़ा जा सकता। अकसर देखा गया है कि गरीब राष्ट्रों में शिक्षा का स्तर काफी नीचे रहता है। एक अशिक्षित व्यक्ति कभी विकास के पथ पर अग्रसर नहीं हो सकता, क्योंकि वह अपने आसपास मौजूद संसाधनों एवं अपनी क्षमता का भरपूर उपयोग नहीं कर पाता। जो संसाधन देश के विकास में काम आ सकते हैं, वे बेकार हो जाते हैं और देश गरीब का गरीब ही रह जाता है। उचित जानकारी के अभाव में लोग कई गंभीर बीमारियों के शिकार हो जाते हैं और राष्ट्र की श्रमशक्ति और उसके इलाज में देश के राजकोष का काफ़ी घाटा होता है, साथ-साथ कीमती समय तो बरबाद होता ही है। कई अफ्रीकी देश इसके सजीव उदाहरण हैं। कांगों, ज़ायरे, जांबिया, कंबोडिया, इथोपिया, ज़िंबाब्वे आदि कई अफ्रीकी राष्ट्र एड्स जैसी भयानक बीमारी की गिरफ़्त में आकर अपनी प्रगति को रोके हुए हैं।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए।

(क) विकास के पथ पर अग्रसर होने में कौन असमर्थ होता है? [1]
(*i*) धार्मिक व्यक्ति (*ii*) शिक्षित व्यक्ति (*iii*) परोपकारी व्यक्ति (*iv*) अशिक्षित व्यक्ति

(ख) उचित जानकारी के अभाव में लोग किसके शिकार हो जाते हैं? [1]
(*i*) नशे के (*ii*) गंभीर-बिमारियों के
(*iii*) फ़ेशन के (*iv*) उपर्युक्त सभी

(ग) शिक्षा का स्तर किन राष्ट्रों में सबसे नीचा रहता है? [1]
(*i*) समृद्ध राष्ट्रों में (*ii*) गरीब राष्ट्रों में
(*iii*) शक्तिशाली राष्ट्रों में (*iv*) प्रगतिशील राष्ट्रों में

(घ) गरीब राष्ट्र की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा है? [1]
(*i*) अशिक्षा (*ii*) राजनीतिक अस्थिरता
(*iii*) भ्रष्टाचार (*iv*) उपर्युक्त सभी

(ङ) देश के विकास में काम आने वाले संसाधन कब व्यर्थ हो जाते है? [1]
(*i*) शिक्षा के अभाव में (*ii*) धर्म के अभाव में
(*iii*) राजनीतिक अस्थिरता के अभाव में (*iv*) भ्रष्टाचार के कारण

प्रश्न 2 -

उचित विकल्प पर सही (✓) का चिह्न अंकित काजिए:

1. **वह दूध पी रहा है।** रंगीन पद है:
   (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, कर्ताकारक ☐ (ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, कर्मकारक ☐
   (ग) जातिवाचक संज्ञा, कर्मकारक ☐ (घ) जातिवाचक संज्ञा, कर्ता कारक ☐
2. **मीरा प्रसिद्ध नृत्यांगना है।**
   (क) विशेषण, गुणवाचक ☐ (ख) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक ☐
   (ग) विशेषण, संख्यावाचक ☐ (घ) क्रियाविशेषण, कालवाचक ☐
3. **वह क्या कह रही है ?** रंगीन पद है:
   (क) क्रिया, अकर्मक ☐ (ख) सर्वनाम, प्रश्नवाचक ☐
   (ग) विशेषण, सार्वनामिक ☐ (घ) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक ☐
4. **वह पिता जी के साथ जाने वाला है।** रंगीन पद है:
   (क) संज्ञा ☐ (ख) क्रियाविशेषण ☐
   (ग) समुच्चयबोधक ☐ (घ) संबंधबोधक ☐
5. **वह आया और चला भी गया।** रंगीन पद है:
   (क) क्रियाविशेषण ☐ (ख) समुच्चयबोधक, समानाधिकरण ☐
   (ग) संबंधबोधक ☐ (घ) समुच्चयबोधक, व्यधिकरण ☐

दिल्ली पब्लिक स्कूल, नोएडा
पुनरावृत्तिकार्यम्
कक्षा 10
विषयः संस्कृतम्

I. अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत

जीवने समयः एव सर्वाधिकः मूल्यवान् भवति। व्यतीतस्य समयस्य एकम् अपि क्षणम् केनापि प्रयत्नेन पुनः प्राप्तुं न शक्नोति कोऽपि जनः। अतः प्रत्येकं क्षणस्य सदुपयोगः सावधानेन मनसा करणीयः सर्वैः जनैः विशेषतः विद्यार्थिभिः। यथा वयम् अर्जितस्य धनस्य एकैकस्य पणस्य व्ययं सम्यक् विचार्य कुर्मः तथैव एकैकस्य क्षणस्य अपि सदुपयोगं विवेकेन कुर्यामः। एकः अपि क्षणः वृथा न यापनीयः। असावधानतया आलस्येन च निरर्थकं नीतः समयः पश्चातापस्य असफलतायाः च कारणं भवति। यः मानवः समयस्य महत्त्वम् अवगच्छति तस्य सदुपयोगं च करोति स एव महान् भवति।

प्रश्नाः

I. एकपदेन उत्तरत :

(i) मानवः कस्य सदुपयोगं कृत्वा महान् भवति?

(ii) सर्वाधिकः मूल्यवान् कः?

(iii) एकैकस्य क्षणस्य सदुपयोगं केन कुर्याम?

(iv) किम् व्यतीतः समयः पुनः प्राप्तुं शक्यते?

II. पूर्णवाक्येन उत्तरत :

(i) निरर्थकं नीतः समयः कस्य कारणं भवति?

(ii) प्रत्येकं क्षणस्य उपयोगः कथं करणीयः?

III. प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं निर्देशानुसारं चित्वा लिखत :

(i) 'कुर्मः' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम्?

(अ) विचार्य (ब) सम्यक्

(स) वयम् (द) व्ययम्

(ii) 'मनसा' इति पदस्य विशेषणपदं गद्यांशे किम् प्रयुक्तम्?

(अ) सावधानेन (ब) सदुपयोगः

(स) करणीयः (द) प्रत्येकम्

(iii) "उद्यमेन" इति पदस्य विलोमपदं गद्यांशे किं प्रयुक्तम्?

(अ) सावधानेन (ब) विवेकेन

(स) आलस्येन (द) प्रयत्नेन

(iv) "सञ्चितस्य" इति पदस्य पर्यायपदं गद्यांशे किम् प्रयुक्तम्?

(अ) अर्जितस्य (ब) पणस्य

(स) व्यतीतस्य (द) क्षणस्य

2. भवान् हर्षवर्धनः। भवतः मित्रं गोविन्दः संस्कृतपठने काठिन्यम् अनुभवति। तं प्रति लिखिते पत्रे रिक्तस्थानानि मञ्जूषायां प्रदत्तशब्दैः पूरयित्वा पत्रं पुनः लिखत।

कमलानगरम्
दिल्लीतः
दिनाङ्कः .....

प्रिय मित्र गोविन्द,
सस्नेहं (i) .....।

अत्र सर्वं कुशलम्। तत्रापि कुशलं कामये। मित्र! त्वया पत्रे (ii) ..... यत् त्वं संस्कृतस्य पठने काठिन्यम् अनुभवसि। किन्तु अहं तु किञ्चिदपि काठिन्यं न अनुभवामि। प्रथमं तु अहं कक्षायां दत्तचित्तः भूत्वा सर्वं पाठं शृणोमि यत्र च कांचित् (iii) ..... भवति तत्र आचार्यं पृष्ट्वा लिखामि। गृहम् आगत्य पुनः पुनः (iv) ..... वाचनं करोमि। अहं प्रतिदिनं अर्धहोरापर्यन्तं पाठानां वाचनम् करोमि। यत्र उच्चारणे अर्थस्य अवबोधने च शङ्का भवति अग्रिमे दिवसे कक्षायाम् (v) ..... पृच्छामि। अहं तु अभ्यासपुस्तके प्रदत्तानाम् पत्राणां, संवादानाम् अनुच्छेदानाम् अपि (vi) ..... अध्ययनं करोमि। अनेन मम संस्कृतस्य अवबोधनक्षमतायाः (vii) ..... अभवत्। अधुना अहं कक्षायां सहपाठिभिः आचार्येण च सह संस्कृतेन वार्तालापं करोमि। मित्र। यदि त्वम् प्रतिदिनं नियमेन पाठानां पुनः पुनः (vii) ..... करिष्यसि तदा त्वम् अपि शीघ्रमेव संस्कृतेन वार्तालापं कर्तुं समर्थः भविष्यसि। स्वपितृभ्यां मम प्रणामाः निवेदनीयाः। आशासे यत् शीघ्रमेव पत्रोत्तरं संस्कृतेन एव लिखित्वा प्रेषयिष्यसि।

तव अभिन्नं मित्रम्
हर्ष वर्धनः

लिखितम्, वाचनम्, पाठस्य, विकासः आचार्यम्, नियमितम्, नमो नमः, शङ्का,

3. मञ्जूषायां प्रदत्तशब्दानां सहायतया चित्रं दृष्ट्वा चत्वारि वाक्यानि संस्कृतेन लिखत।

तिष्ठति, शाखायाम्, चटका, नदी, पर्वतः, वृक्षौ, पुष्पाणि, स्वच्छम् जलम्, बालौ, सूर्यः, उदेति, वातावरणम्, रमणीयम्, प्रार्थनां कुरुतः, गृहाणि,